मुझे खाटू आने जाने की आदत हो गई है भजन लिरिक्स

मुझे खाटू आने जाने की,
आदत हो गई है,
आदत हो गई है,
हाँ आदत हो गई है,
बाबा से मिलने जुलने की,
चाहत हो गई है,
मुझे खाटु आने जाने की,
आदत हो गई है।bd।

सांवरिया से नैन मिले तो,
दिल हाथों से निकल गया,
होश गंवाया चैन गंवाया,
मनवा मेरा मचल गया,
श्याम बिना रहना मुश्किल,
ये हालत हो गई है,
मुझे खाटु आने जाने की,
आदत हो गई है।bd।

जितना सोणा खाटू वाला,
उतना कोई और नहीं,
ऐसा साथी ऐसा माझी,
देखा नहीं है और कहीं,
मुझ पर भी सांवरिये की,
रहमत हो गई है,
मुझे खाटु आने जाने की,
आदत हो गई है।bd।

मुझको अपना मान लिया है,
अब तो शीश के दानी ने,
श्याम कृपा के फुल खिले,
'चोखानी' की जिंदगानी में,
'अदिति' पर भी श्याम नाम की,
बरकत हो गई है,
मुझे खाटु आने जाने की,
आदत हो गई है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मुझे खाटू आने जाने की,
आदत हो गई है,
आदत हो गई है,
हाँ आदत हो गई है,
बाबा से मिलने जुलने की,
चाहत हो गई है,
मुझे खाटु आने जाने की,
आदत हो गई है।bd।

स्वर – अदिति पारासर।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com